भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 701
गुरुवार, 23 जुलाई, 2026/1 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई कार्गो अवसंरचना

701. **डॉ. के. सुधाकर:**
श्री तेजस्वी सूर्या:
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:
श्री अनुराग शर्मा:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्रीमती डी. के. अरुणा:
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत:
श्री अशोक कुमार रावत:
श्रीमती कमलजीत सहरावत:
श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) वर्ष 2026 के दौरान देश में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और कृषि उड़ान योजना के अंतर्गत हवाई कार्गो अवसंरचना को मजबूत करने में राज्य-वार कितनी प्रगति हुई है;
(ख) देश भर में, विशेषकर कर्नाटक में, विस्तार या उन्नयन के लिए चिह्नित किए गए विमानपत्तनों और कार्गो टर्मिनलों की वर्तमान स्थिति क्या है;
(ग) क्या हवाई कार्गो परिचालन को राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स पोर्टल और अन्य व्यापार सुविधा प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) निर्यात-उन्मुख और शीघ्र खराब होने वाले कार्गो की हैंडलिंग क्षमता में सुधार करने और टर्नअराउंड समय को कम करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क(: सरकार ने राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति के माध्यम से लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र में सुधारों में तेजी लाना, पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के साथ अवसंरचना विकास को एकीकृत करके, डिजिटल एकीकरण और अवसंरचना योजना में सुधार करके हवाई कार्गो अवसंरचना को मजबूत किया है। इसके अलावा, हवाई परिवहन द्वारा कृषि उत्पादों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाने और प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण)एएआई(और रक्षा मंत्रालय द्वारा कृषि उड़ान योजना के तहत चुनिंदा

हवाईअड्डों पर भारतीय मालवाहकों और पी2सी)पैसेंजर-टु-कार्गो(विमानों के लिए लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में छूट प्रदान की जाती है। इसके अलावा, इस योजना के तहत ऐसे चयनित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण हवाईअड्डों पर मार्ग दिक्चालन सुविधा प्रभारों)आरएनएफसी(और टर्मिनल दिक्चालन लैंडिंग प्रभारों)टीएनएलसी(को हटा दिया गया है।

(ख(: हवाई यातायात प्रबंधन को मजबूत करने, यात्री और कार्गो हैंडलिंग सुविधाओं के आधुनिकीकरण सहित हवाईअड्डा अवसंरचना का विस्तार, आधुनिकीकरण और विकास एक सतत प्रक्रिया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण)एएआई(और अन्य संबंधित हवाईअड्डा प्रचालकों/विकासकर्ताओं द्वारा यातायात की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता, विमान परिचालन की सुरक्षा के लिए परिचालन आवश्यकताओं और एयरलाइनों से मांग आदि के आधार पर शुरू की जाती है। कर्नाटक राज्य सहित देश भर में मौजूदा कार्गो टर्मिनलों के आधुनिकीकरण और उन्नयन के साथ-साथ नई सुविधाओं के विकास के माध्यम से एयर कार्गो वेयरहाउसिंग क्षमता में वृद्धि की गई है।

(ग(और)घ(प्रमुख हवाईअड्डों का यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी), एयरपोर्ट कार्गो कम्यूनिटी सिस्टम्स, आईसीगेट (आईसीईजीएटीई) जैसे कस्टम्स प्लेटफॉर्म्स और अन्य डिजिटल ट्रेड फैसिलिटेशन प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से डिजिटल लॉजिस्टिक्स और व्यापार सुविधा पारिस्थितिकी तंत्र के साथ तेजी से एकीकरण किया गया है। इसके अलावा, हवाईअड्डों ने निर्यात-उन्मुख और शीघ्र खराब होने वाले कार्गो के लिए हैंडलिंग क्षमता में सुधार और टर्नअराउंड समय को कम करने के लिए कई उपाय जैसे कि कार्गो अवसंरचना का विस्तार और आधुनिकीकरण, नाशवान कार्गो और फार्मा क्षेत्रों के लिए समर्पित सुविधाएं, डिजिटलीकरण और कागजरहित कार्गो प्रोसेसिंग तथा कार्गो प्रक्रिया में सुधार लागू किए हैं।

******